TDC (CBCS) Even Semester Exam., 2019

HINDI

(2nd Semester)

Course No. : HINHCC–202T

[Adhunik Hindi Kavita (Chayavad Tak)]

Full Marks : 70
Pass Marks : 28

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×10=20

(क) भारतेन्दु की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) हिन्दी भाषा शीर्षक कविता में व्यक्त मातृभाषा का महत्त्व बताइए।

(ग) भारतेन्दु की काव्य-भाषा की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए।

(घ) मैथिलीशरण गुप्त को 'राष्ट्र कवि' क्यों कहा जाता है?

(ङ) मैथिलीशरण गुप्त की काव्य-भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

(च) यशोधरा की मूल वेदना लिखिए।

(छ) जयशंकर प्रसाद की किन्हीं चार काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

(ज) 'कामायनी' का सामान्य परिचय दीजिए।

(झ) प्रसाद की कविता में आए उपमा अलंकार के कोई दो उदाहरण लिखिए।

(ञ) निराला रचित किन्हीं चार काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

(ट) 'सरोज स्मृति' कविता का परिचय दीजिए।

(ठ) निराला और मुक्त छंद का संबंध बताइए।

(ड) महादेवी वर्मा की काव्य रचनाओं के नाम लिखिए।

(ढ) पंत की किन्हीं चार काव्य रचनाओं के नाम लिखिए।

(ण) 'नौका विहार' कविता का संदेश संक्षेप में लिखिए।

2. (क) 'भारतवीरत्व' शीर्षक कविता के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 6

अथवा

भारतेन्दुयुगीन काव्य प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

(ख) सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

अंग्रेजी पढ़ि के जदपि सब गुन होत प्रवीन।
पै निज भाषा ज्ञान बिन रहत हीन के हीन॥

अथवा

तरनि-तनुजा-तट तमाल तरुवर बहु छाये।
झुंके कूल सों जल-परसन-हित मनहु सुहाये।

3. (क) गुप्त जी की नारी भावना पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 6

अथवा

'कैकयी अनुताप' शीर्षक कविता के केन्द्रीय भाव पर प्रकाश डालिए।

(ख) सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

अब रख वहीं सकते स्वयं हम लाज भी अपनी अहो।
रखते विदेशी वस्त्र उसको, सभ्य हैं हम क्यों न हो।
करती अपेक्षा आप अपनी पूर्ण जो जितनी जहाँ—
वह जाति उतनी ही सम्मुन्नति प्राप्त करती है वहाँ।

अथवा

कुल-नारियाँ जिनको हमारी हैं करों में धारती,
सौभाग्य का शुभ चिह्न जिनको हैं सदैव विचारती,
वे चूड़ियाँ तक हैं विदेशी देख लो, बस हो चुका,
भारत स्वकीय सुहाग भी परकीय करके खो-चुका।।

4. (क) छायावादी कवि के रूप में कवि जयशंकर प्रसाद का मूल्यांकन कीजिए। 6

अथवा

'श्रद्धा' शीर्षक कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ख) सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

चिर विषाद विलीन मन की
इस व्यथा के तिमिर वन की
मैं उषा सी ज्योति रेखा,
कुसुम विकसित प्रात रे मन।

अथवा

बस गई एक वस्ती है स्मृतियों की इसी हृदय में,
नक्षत्र लोक फैला है जैसे इस नील निलय में।

5. (क) विद्रोही कवि के रूप में निराला का मूल्यांकन कीजिए। 6

अथवा

'जागो फिर एक बार' शीर्षक कविता के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

विजन-वन वल्लरी पर
सोती थी सुहाग भरी—
स्नेह-स्वप्न-मग्न-अमल-कोमल तनु तरणी
जुही की कली
दृग बन्द किये, शिथिल, पत्रांक में।

अथवा

जावा तो अर्थागपोमाय
पर रहा सदा संकुचित-काय
लख कर अनर्थ आर्थिक पथ पर
हारता रहा मैं स्वार्थ-समर।

6. (क) महादेवी वर्मा की रहस्य भावना पर प्रकाश डालिए। 6

अथवा

''पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं।'' स्पष्ट कीजिए।

(ख) सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

प्रथम रश्मि का आना रंगिनी!
तूने कैसे पहिचाना?
कहाँ, कहाँ हे बाल बिहंगिनी।
पाया तूने यह गाना?

अथवा

विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली!

★ ★ ★